

8) *Jemand anstellen* (in einem Amte): न किं चन कर्म कुर्वन् प्रकुर्वीरन् Pā. Gṛh. 3, 10. तत्र तत्र च निष्ठातानध्यतान् — प्रकुर्वीत् Jāṅ. 1, 321. सचिवान्मत्त चाष्टौ वा प्रकुर्वीत M. 7, 54, 60, 61, 63. Jāṅ. 1, 311. fg. पुरो-
हितं प्रकुर्वीत राजा MBh. 1, 6512. पाण्डोः पुत्रं प्रकुरुष्याधियत्ये 3, 232. दारान्प्रकरं *sich ein Weib nehmen, heirathen*: यथा दारान्प्रकुर्यात्स पुत्रा-
नुत्पादयेद्यथा MBh. 1, 1844. — 9) *Jmd an die Spitze stellen, verehren*:
med.: विलुं प्रकुरुते Vop. 23, 25. BHATT. 8, 18. — 10) *entehren, Unzucht
treiben*: या तु कन्या प्रकुर्यात्स्त्री M. 8, 370. med. nach P. 1, 3, 32, Sch.
Vop. 23, 25. परदारान्प्रकुरुते ebend. कुलभार्या प्रकुर्वीषन् BHATT. 8, 19. —
11) *Etwas vorangehen lassen, voranschicken, vorher erwähnen*; med.:
गाथाः प्रकुरुते (प्रकथने) P. 1, 3, 32, Sch. Vop. 23, 25. समानवाद्य इति प्र-
कृत्य P. 8, 1, 25, Vārtt. लुकि प्रकृते 2, 4, 75, Sch. 4, 2, 24, Sch. Kāc. zu
1, 2, 36. पुनर्वरुचिस्तस्मै प्रकृत्यर्थमवर्णयत् KATHAS. 4, 1. एवमुक्त्वा कथा-
मध्ये काणभूत्यनुयोगतः । गुणाद्यः प्रकृतं धीमाननुस्मृत्याप्रवीतपुनः ॥ 6,
107. प्रकृतं *von dem die Rede geht*: प्रकृतेभ्य (Str.: den Geehrten) स्वधो-
च्यताम् Jāṅ. 1, 243. Sūb. D. 11, 4, 12. = प्रकृतेः 18, 8. — 12) *प्रकृत
der Etwas begonnen hat*: प्रकृतः कटं देवदत्तः P. 3, 4, 71, Sch. *begonnen*:
प्रकृतः कटो देवदत्तेन, प्रकृतं देवदत्तेन ebend. प्रकृतस्यानुवर्तनम् *das Fort-
dauern von etwas Begonnenem* AK. 3, 4, 12, 101.

— *विप्र Jmd (acc.) zu nahe treten, ein Leid zufügen*: रक्षोसि विप्रकु-
र्वन्ति तापमान् R. 3, 1, 20. विप्रकुर्वन्पुनः MBh. 3, 10751. विप्रकृत AK. 3,
1, 41. H. 441. MBh. 1, 1332. 3, 527, 586. R. 6, 99, 29. PAṆKAT. 182, 2. Çāk.
93. RAGH. 10, 75. KUMĀRAS. 6, 27. BHĀG. P. 8, 22, 1. विप्रकृतः पन्नगः फणो
कुरुते Çāk. 138.

— *संप्र 1) ausführen*: ताडयुद्धमयाकाशे तावुगौ (एयेनौ) संप्रचक्रतुः MBh.
1, 2387. स्वतं दिव्यं संप्रचक्रे महासेनस्य चापि सः 3, 14350. — 2) *Jmd
oder Etwas zu Etwas machen, mit zwei acc.*: अवृत्तमशिलं चैव तं देशं संप्र-
चक्रतुः R. 6, 82, 182.

— *प्रति 1) entgegen machen*: पुर इमो लोकान्प्रति करवान्हे Ait. Br.
1, 23. — 2) *erwidern, vergelten, Vergeltung üben* (im Guten oder Bösen);
mit dem acc. der Sache und dem gen., dat. oder loc. der Person: वैरं
प्रतिकुरुष्वेह तस्मिन् R. 3, 38, 22. घोरं प्रतिकृतं पश्य ममेदं जीवितान्तक-
त् । वैरं शतगुणम् 67, 19. सुकृतं प्रतिकर्तुम् MBh. 3, 11623. सर्वं प्रतिकारि-
ष्यामि R. 4, 34, 7. यन्ममोपकृतं शक्यं प्रतिकर्तुं न तन्मया 32, 8. KATHAS.
12, 194. इच्छन्तस्तत्प्रतीकर्तुम् BHĀG. P. 4, 10, 12. चित्तयन्नाध्यगच्छत् । प्र-
तिकर्तुं नृपश्रेष्ठो यतमानो ऽपि MBh. 1, 6360. पूर्व कृतार्थो मित्राणो नार्थं
प्रतिकुर्याति यः । कृतघ्नः सर्वभूतानां स वध्यः R. 4, 34, 16. 36, 6. BHĀG. P. 1,
18, 48. प्रतिकुर्यां तथा तस्य MBh. 1, 2018. 13, 4451. R. 3, 63, 14. BHĀG. P.
9, 18, 43. तस्मै प्रतिकुरुष्व MBh. 1, 840. प्रतिकर्तुं वल्लवांत नरुपे 13, 4764.
तथा प्रतिकृतं मयि 2, 7. प्रतिकृतं n. *Wiedervergeltung*: कर्तास्मि कृते प्र-
तिकृतं तव MATSJO. 8. R. 4, 27, 20. PAṆKAT. V, 70. कृतप्रतिकृतं कर्तुम् R.
6, 91, 10. — 3) *entgegenwirken, sich widersetzen*; mit dem acc. der
Sache, mit dem gen. der Person: पाण्डवा अपि तत्सर्वं प्रतिचकुर्यथाग-
तम् MBh. 1, 5656. नास्य प्रत्यकोद्दीर्यं विज्ञावेनात्तरात्मना R. 6, 88, 34.
प्रतिकर्तुं प्रकृष्टस्य नावकृष्टेन युज्यते R. 4, 17, 47. *entgegenwirken* (mit
ärztlichen Mitteln): व्याधिमिच्छामि ते ज्ञातुं प्रतिकुर्यां हि तत्र वै MBh.
1, 4027. med. Suçr. 4, 127, 13. 129, 11. *ärztlich behandeln*: प्रतिकुर्वन्ग-
तायुषः 103, 4. (पिडका) अग्रप्रतिक्रियमाणा 263, 12, 20. प्रतिकृतं n. *Wider-*

stand RAGH. 12, 94. — 4) *wieder in Stand setzen*: संक्रमधनयष्टीनां प्र-
तिमानां च भेदकः । प्रतिकुर्याच्च तत्सर्वम् M. 9, 283. — *caus. med. wieder-
holen lassen* Çat. Br. 9, 5, 2, 14. — *desid. zu erwidern —, zu vergelten*
—, *Rache zu nehmen* (mit dem loc. oder acc. der Person) *suchen*:
वैरं प्रतिचिकीर्षताम् (gen. pl.) MBh. 3, 1282. कृतार्थः पूर्वमार्षेण नार्थं प्रति-
चिकीर्षसि R. 4, 34, 20. भीष्मे प्रतिचिकीर्षामि MBh. in BENF. Chr. 48. 6.
तत्तकं प्रतिचिकीर्षमाणः MBh. 1, 832.

— *वि 1) anders machen, umgestalten, verändern; umstimmen; ver-
unstalten, verderben*: एकं विचक्रं चमसं चतुर्धा RV. 4, 33, 2, 3. 36, 4. तन्वं
स्वर्गो वंदुधा वि चक्रे AV. 12, 3, 54, 22. RV. 1, 164, 15. तष्टा वै सिक्तं रे-
तो विकुर्याति Çat. Br. 1, 9, 2, 10. 6, 1, 2, 20. 7, 2, 7. TS. 6, 6, 6, 2. Ait. Br.
2, 39. सर्वानेके विकृतानामनन्ति ÇĀṆKH. Çr. 15, 13, 10. एकैकं जालं वदुधा
विकुर्वन्मन्त्रे संकृत्येय देवः ÇVETĀCV. Up. 3, 3. योनिः प्रोर्विक्रियते
TS. 5, 2, 10, 1. — रूपं विकुरूपे कथम् MBh. 13, 1513. संपूज्यमानाः पुरुषै-
र्विकुर्वन्ति मनो नृप । अयास्ताद्य तथा राजन्विकुर्वन्ति मनः स्त्रियः ॥ 2242.
fg. धर्मं मदान्प्रकृतेनपानि — नालं विकर्तुम् RAGH. 13, 42. pass. und med.
(P. 1, 3, 35. Vop. 23, 27) *anders werden, eine Veränderung erfahren; um-
gestimmt werden, auffauchen oder sich entsetzen*: आकाशान् विकुर्वी-
णात् — जायते वायुः M. 1, 76. fgg. BHĀG. P. 2, 3, 23, 25. मम कश्चिन्नु भग-
वन्वत्तमाश्रित्य किंचन । दृश्यते विकृतं येन विक्रियते तपस्विनः ॥ R. 3,
1, 5. न विचक्रे ऽस्य मानसम् 2, 33, 25. विकारहेता सति विक्रियते येयो
न चेतांसि त एव धीराः KUMĀRAS. 1, 60. दृष्टामु संपत्तु विपत्तु मूर्यो न
विक्रियते BHĀG. P. 4, 20, 12. तदश्मसारं हृदयं वतेदं यद्ब्रह्माणैर्हरिना-
मधेयैः । न विक्रियेत 2, 3, 24. विकुर्वति (= कर्त्तव्यं) सैन्धवाः P. 1, 3, 33,
Sch. ad 3, 1, 89. विकुर्वीणा *heiter gestimmt* AK. 3, 1, 7. H. 433. Statt med.
ausnahmsweise auch act.: विकुर्वतिः प्रकृत्या वै दिवं प्राप्तास्ततस्ततः MBh.
14, 1054. BHĀG. P. 2, 3, 24. विकृतं *verändert, umgestaltet, verwandelt*;
entstellt, verunstaltet, verstümmelt; absonderlich, ungewöhnlich: अयर्थ-
प्रदं विकृतं समीक्ष्य MBh. 3, 10044. N. 14, 13. 22, 1. M. 9, 247, 288. Viçv.
9, 19. R. 3, 23, 41. 6, 103, 8. RAGH. 12, 39. त्रयेण विकृतम् (कवन्धम्) R. 1,
1, 54. स चतुर्विकृतं कृत्वा (*das Auge blenden*) तेजस्तेषु समुत्सृजन् MBh.
3, 8881. विकृतात् blind P. 6, 3, 3. Vārtt. 2. अङ्गादिकृतात् P. 2, 3, 20,
Vārtt. विकृतश्च ADBH. Br. in Ind. St. 1, 41. विकृताकांति M. 11, 52. वि-
कृताकाराः N. (Bopp) 13, 26. विकृतदर्शन Hip. 3, 3. R. 3, 1, 23. विकृतानन-
मूर्धन् MBh. 3, 832. R. 6, 16, 40. नानाविकृतवेशानाम् (राक्षसानाम्) 3, 30, 23.
वादित्राणि — विकृतस्वरूपाणि Arś. 6, 19. Nach den Lexicographen:
abstossend (वीनत्स) AK. 1, 1, 2, 19. TRIK. 3, 3, 185. H. an. 3, 298. MED. t. 138.
krank AK. 2, 6, 2, 9. TRIK. H. 439. H. an. MED. विकृतं *verändert* R. 3, 3, 9.
— 2) *entwickeln, entfalten, hervorbringen* RV. 2, 38, 6. मनः सृष्टिं विकु-
रुते चोद्यमानं सिम्तया M. 1, 75. तं हि सर्वं विकुरूपे भूतग्रामं चतुर्विधम्
MBh. 14, 1487. मायां विकुर्वीषौ R. 1, 32, 12. MBh. 1, 6029. 3, 16321. पु-
ष्यमासं विकुर्वीणाः प्रकुर्यादिव पुष्पिताः (हुमाः) R. 3, 79, 39. एवमन्ये वि-
कुर्वन्ति देवाः संसारमोचनम् MBh. 13, 1281. नास्य विघ्नं विकुर्वन्ति दानवाः
(294). अविकृतं *unentwickelt*: अविकृतं कष्टं जनयो चकार Çat. Br. 3, 1,
2, 3. अविकृतोद्गा गर्भः 4, 5, 2, 6. विकृतं = संस्कृत H. an. 3, 298. MED. t.
138. An der letztern Stelle könnte auch असंस्कृत gemeint sein und so
fassen ÇKD. und Wilson die Erklärung auf. — 3) *in mannigfachem
Wechsel hervorbringen*: तांस्तान्विकुरुते भावान्वहन् य मुहुर्मुहुः MBh. 13,